इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 3

भारत में राष्ट्रवाद

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-

1. 1885 ई0 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना।
2. 1915 में महात्मा गांधी भारत लौटे। इससे पहले वे दक्षिण अफ्रीका में थे। भारत आने के उपरांत 1916 में उन्होंने नील की खेती कर रहे किसानों की मदद के लिए चंपारन सत्याग्रह, 1917 में गुजरात के किसानों की मदद के लिए खेड़ा सत्याग्रह व 1918 में सूती कपड़ा कारखाने के मज़दूरों के लिए अहमदाबाद मिल सत्याग्रह का आयोजन किया।
3. 18 मार्च, 1919 में रॉलेट एक्ट कानून के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया। इस कानून में राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का प्रावधान था।
4. 13 अप्रैल, 1919 जलियाँवाला बाग हत्याकाँड। पंजाब के अमृतसर जिले में जनरल डायर के आदेश पर सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई।
5. 1920-22 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन चलाया गया। यह निर्णय 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में हुआ।
6. 1922 में गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा में बाज़ार से गुजर रहा एक शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया। इस हिंसक घटना के कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
7. 1928 में जब साइमन कमीशन भारत पहुँचा तो उसका विरोध साइमन वापस जाओ के नारों से हुआ।

8. 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस ने लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग की। 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया।

9. 1930 में गाँधीजी ने वायसराय इर्विन को एक खत लिखा जिसमें उन्होने 11 माँगों का उल्लेख किया। माँगों के न माने जाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन छेड़ने की बात की।

10. 11 मार्च, 1930 को गाँधीजी ने 78 वॉलंटियरों के साथ नमक कानून तोड़ते हुए डांडी यात्रा की शुरूआत की और सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हो गया।

11. 1931 में गाँधीजी ने अस्थाई रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन को रोक दिया व द्वितीय गोल मेज सम्मेलन में भाग लेने लंदन गए। यह वार्ता बीच में ही टूट गई व उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। वापस आकर आंदोलन फिर शुरू किया जो 1934 तक मंद पड़ते-पड़ते समाप्त हो गया।

12. पूना पैक्ट - दूसरे गोल मेज सम्मेलन में अलग निर्वाचन क्षेत्रों के सवाल को लेकर डॉ अंबेडकर एवं गाँधीजी के बीच काफी वाद-विवाद हुआ। अंत में पूना पैक्ट के तहत पूर्व घोषित पिछड़ा वर्ग चुनाव क्षेत्र को समाप्त कर दिया व उनके लिए कुल 148 स्थान आरक्षित रखे गए।

महत्वपूर्ण शब्दावली -

1. **सत्याग्रह** - सत्याग्रह का अर्थ है सत्य के लिए आग्रह करना। यदि उद्देश्य सच्चा है और अन्याय के खिलाफ है तो उत्पीड़न के खिलाफ मुकाबला करने के लिए शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है। सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।

2. **बहिष्कार** – किसी के साथ संपर्क रखने या जुड़ने से इन्कार करना या गतिविधियों में हिस्सेदारी, चीजो की खरीद व इस्तेमाल से इन्कार करना। यह विरोध का एक रूप है।

3. **गिरमिटिया मज़दूर** – औपनिवेशिक शासन के दौरान बहुत सारे लोगों को काम करने के लिए फिजी, गुयाना, वेस्टइंडीज आदि स्थलों पर ले जाया गया जिन्हें बाद में गिरमिटिया कहा जाने लगा। जिस अनुबंध के सहारे उन्हें ले जाया गया उसे ये मज़दूर गिरमिट कहने लगे।

4. **स्वदेशी** – अपने देश में बनी वस्तुओं, देशी संस्थाओं, अदालतों का प्रयोग करना जिससे स्वदेशी उद्योगों के हितों को प्रोत्साहन मिले।

5. **सविनय अवज्ञा** – विनम्रतापूर्वक सरकार की आज्ञा की अवहेलना करना जिससे ब्रिटिश सरकार शासन न चला पाए। इसे गाँधीजी ने प्रारंभ किया।

6. **खलीफा** – मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरू।

7. **बेगार** – बिना किसी पारिश्रमिक के किसी से काम करवाना।

8. **हरिजन** – गाँधीजी द्वारा अछूतों को हरिजन या ईश्वर की संतान बताया गया।

9. **मार्शल लॉ** – कर्फ्यू के दौरान वह स्थिति जिसमें सेना को किसी के बाहर दिखने पर गोली मार देने के कड़े निर्देश होते हैं।

10. **पिकेटिंग** – प्रदर्शन या विरोध का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री, दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं।

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किन महम्वपूर्ण घटनाओं के साथ किया ?
2. किसके नेतृत्व में अवध किसान सभा का गठन किया गया ?
3. साइमन कमीशन कब भारत पहुँचा व इसका विरोध क्यों हुआ ?
4. दक्षिण अफ्रीका से आने के बाद गाँधीजी ने किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन चलाया ? 3
5. मद्रास के नटेसा शास्त्री ने तमिल के किस विशाल संकलन को चार खंडों में प्रकाशित किया ?
6. सत्याग्रह के विचार में किन दो बातों पर ज़ोर दिया जाता है ?
7. रॉलेट एक्ट को काला कानून क्यों कहा गया ?
8. वंदे मातरम् गीत कब और किसने लिखा ? इसमें किसका गुणगान किया गया है ? 3
9. ब्रिटिश सरकार ने 1857 के पश्चात प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध क्यों लगा दिया ?
10. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई और कहाँ ?
11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष कौन थे ?
12. 1922 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया ?
13. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई ?
14. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई ?
15. गाँधी जी ने किस वर्ष बिहार के चंपारन इलाके का दौरान किया ?
16. असहयोग व खिलाफत आंदोलन कब शुरू हुआ ?
17. असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसानों का नेतृत्व किसने किया ?

18. आंध्र प्रदेश की गूडेम पहाड़ियों में आदिवासी किसानों के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

19. किस दशक की शुरूआत में उग्र गुरिल्ला आंदोलन फैला था?

20. पूना पैक्ट किनके बीच हुआ था?

21. डिस्कवरी ऑफ इंडिया पुस्तक का लेखक कौन था?

22. अवनीद्रनाथ टैगोर कौन थे?

23. खिलाफत आन्दोलन किसने शुरू किया था?

24. साइमन कमीशन भारत कब पहुंचा था?

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. असहयोग आंदोलन आरंभ किए जाने के क्या कारण थे? इस आंदोलन में समाज के विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी पर प्रकाश डालिए। इसके कार्यक्रम/ कार्य पद्धति, प्रगति एवं अंततः समाप्ति को समझाइए।

2. खिलाफत आंदोलन को प्रारम्भ करने के मुख्य कारण कौन से थे? भारतीय राष्ट्र आंदोलन में उसका क्या योगदान था?

3. सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति लोगों और औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की? किन परिस्थितियों में गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने का निर्णय लिया।

4. सक्रिय राजनीति में भाग लेने से पूर्व गाँधीजी ने किन-किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन किए? इनके प्रारंभ होने के क्या कारण थे?

5. ''प्रथम विश्वयुद्ध' ने एक नई आर्थिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी। समीक्षा कीजिए।

6. गाँधीजी की नमक यात्रा कई कारणों से उल्लेखनीय थी। समीक्षा कीजिए। सविनय अवज्ञा आंदोलन की सीमाएँ क्या थीं ? इसके महत्व का वर्णन कीजिए।

7. भारत में राष्ट्रवाद की भावना पनपने में किन कारकों का योगदान था ? राष्ट्रवाद के विकास का विश्व पर क्या प्रभाव पड़ा ?

8. असम में बागान मज़दूरों के लिए स्वराज की अवधारणा क्या थी ?

9. भारतीयों ने साइमन कमीशन का विरोध क्यों किया ?

10. भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे ?

11. गाँधी-इर्विन समझौते की विशेषताएँ क्या थीं ?

12. सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन के मुकाबले किस तरह अलग था ? सविनय अवज्ञा आंदोलन की विशेषताएँ लिखिए।

13. 1916 के लखनऊ समझौते का इतिहास में क्या महत्व था ?

14. सत्याग्रह के विचार का क्या अर्थ है ?

15. अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे ? असहयोग आंदोलन में उनका योगदान बताइए।

उत्तरमाला :-

1 अंक वाले प्रश्न

1. 1) नमक कानून तोड़ कर
   2) स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर व विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके।

2. बाबा रामचंद्र

3. यह 1927 में भारत पहुँचा। किसी भारतीय सदस्य को इसमें न शामिल किए जाने के कारण इसका विरोध हुआ।

4. 1) चम्पारन 2) खेड़ा 3) अहमदाबाद

5. 'द फोकलोर्स ऑफ सदर्न इंडिया'

6. 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह

   2) सत्य की खोज

7. इस अन्यायपूर्ण एक्ट के द्वारा राजनैतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया।

8. 1870 में बंकिम चन्द्र चटर्जी ने लिखा। इसमें भारत माता का गुणगान किया गया है।

9. भारतीय समाचार पत्रों द्वारा राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के कारण।

10. 1885 में

11. व्योमेश चन्द्र बनर्जी

12. चौरी-चौरा में हिंसात्मक घटना के कारण

13. महात्मा गाँधी

14. 1906 में

15. 1917 ई में

16. जनवरी 1920 ई. में

17. बाबा रामचन्द्र

18. अल्लूरी सीताराम राजू

19. 1920 के दशक में

20. रवीन्द्रनाथ टैगोर

21. गाँधी जी और डा. अम्बेडकर के बीच समझौता हुआ।

22. जवाहर लाल नेहरू

23. चित्रकार

24. अली भाइयों (मुहम्मद अली, शौकत अली)

25. 1928

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. **आंदोलन के कारण :-**

-- प्रथम महायुद्ध की समाप्ति पर अंग्रेजों द्वारा भारतीय जनता का शोषण।

-- अंग्रेजों द्वारा स्वराज प्रदान करने से मुकर जाना।

-- रॉलेट एक्ट का पारित होना

-- जलियाँवाला बाग हत्याकांड

-- कलकत्ता अधिवेशन में 1920 में कांग्रेस द्वारा असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव बहुमत से पारित।

विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी :-

1. शहरों में आन्दोलन
2. ग्रामीण इलाकों में विद्रोह
3. आदिवासी क्षेत्रों में विद्रोह
4. बागानों में स्वराज

कार्यपद्धति, प्रगति -

1. चरणबद्ध योजना प्रक्रिया।
2. प्रथम चरण - सरकारी पदवियों, नौकरियों, सेना, पुलिस, स्कूलों, विद्यार्थी परिषदों व विदेशी वस्तुओं का त्याग।
3. **दूसरा चरण** - व्यापक स्तर पर सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ होना शामिल था।

समाप्ति - गाँधी जी द्वारा चौरी-चौरा में हुई हिंसक घटना के फलस्वरूप आंदोलन वापस ले लिया गया।

2. ★ तुर्की साम्राज्य (खलीफा) का अंग्रेजों द्वारा अपमान।
★ लखनऊ समझौते (1916) के बाद कांग्रेस के साथ मुस्लिम लीग का समझौता।
★ असहयोग आंदोलन कांग्रेस द्वारा आरंभ होना तथा मुसलमानों को मिलाकार खिलाफत आंदोलन के साथ करना।

योगदान :-

1) हिंदुओं और मुसलमानों में एकता का बीजारोपण।
2) राष्ट्रीय आंदोलन को बल मिला।

3. लोगों ने सरकारी कानूनों को भंग करना शुरू कर दिया। आंदोलन को दबाने के लिए सरकार ने कठोरता से काम लिया। हजारों जेल गए। गाँधीजी को कैद कर लिया गया। अब जनता इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने लगी।

4. **1) 1916 में चंपारन सत्याग्रह** - नील की खेती करने वाले किसानों के पक्ष में।
2) खेड़ा सत्याग्रह (1917) - किसानों को लगान में छूट दिलवाने के लिए।
3) अहमदाबाद में मिल मजदूर हड़ताल (1918)

5. -- प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत स्वराज देने का वचन नकार दिया गया।
-- आर्थिक स्थिति दयनीय- बेरोज़गारी व बेकारी से मज़दूर, शिल्पकार आदि सभी ग्रसित थे।
-- युद्ध ने राष्ट्रीयता के भाव जागृत किए। लोग दमनकारी सरकार के विरूद्ध एकजुट हुए।

6. -- नमक कर ब्रिटिश सरकार का सबसे दमनात्मक पहलू बताया गया।
-- गाँधीजी द्वारा विश्वस्त वालंटियरों के साथ नमक यात्रा शुरू।
-- राष्ट्रीय आंदोलन से आम आदमी के मुद्दे को जोड़ना।
-- कानून का उल्लंघन। प्रदर्शन व विदेशी चीजों का बहिष्कार
-- शराब की दुकानों पर पिकेटिंग।
-- सभी लोग स्वराज की अमूर्त अवधारणा से प्रभावित नहीं थे।
-- समाज के सभी वर्गों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं लिया।
-- समाज के वर्ग एक दूसरे की तरफ संशकित थे।

7. 1) साहित्य, लोक कथाओं, गीतों व चित्रों के माध्यम से राष्ट्रवाद का प्रसार।
2) भारत माता की छवि रूप लेने लगी।
3) लोक कथाओं द्वारा राष्ट्रीय पहचान।
4) चिह्नों और प्रतीकों के प्रति जागरूकता। उदाहरण झंडा।
5) इतिहास की पुनर्व्याख्या।

8. 1) अनुबंध के नियमों का उल्लंघन।
2) चाय बगानों से बाहर निकलना।
3) असहयोग आंदोलन में सम्मिलित होना।
4) कृषि भूमि तथा सुख सुविधाओं को प्राप्त करना।

9. 1) समय से पहले गठन।
2) शासन में सुधार जैसी कोई बात नहीं।
3) एक भी भारतीय शामिल नहीं किया गया।

10. 1) यह एक काला कानून था।
    2) इस कानून के अंतर्गत किसी को लंबे समय तक जेल में डाला जा सकता था।
    3) विश्व युद्ध के बाद इसे खत्म करना था पर सरकार ने इसे बनाए रखा। इसका विरोध आम जनता ने किया।

11. 1) 5 मई 1931 ई. को गाँधी इरविन समझौता।
    2) सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया जाये।
    3) पुलिस द्वारा किए अत्याचारों की निष्पक्ष जाँच की जाये।
    4) नमक पर लगाए गए सभी कर हटाए जाएँ।

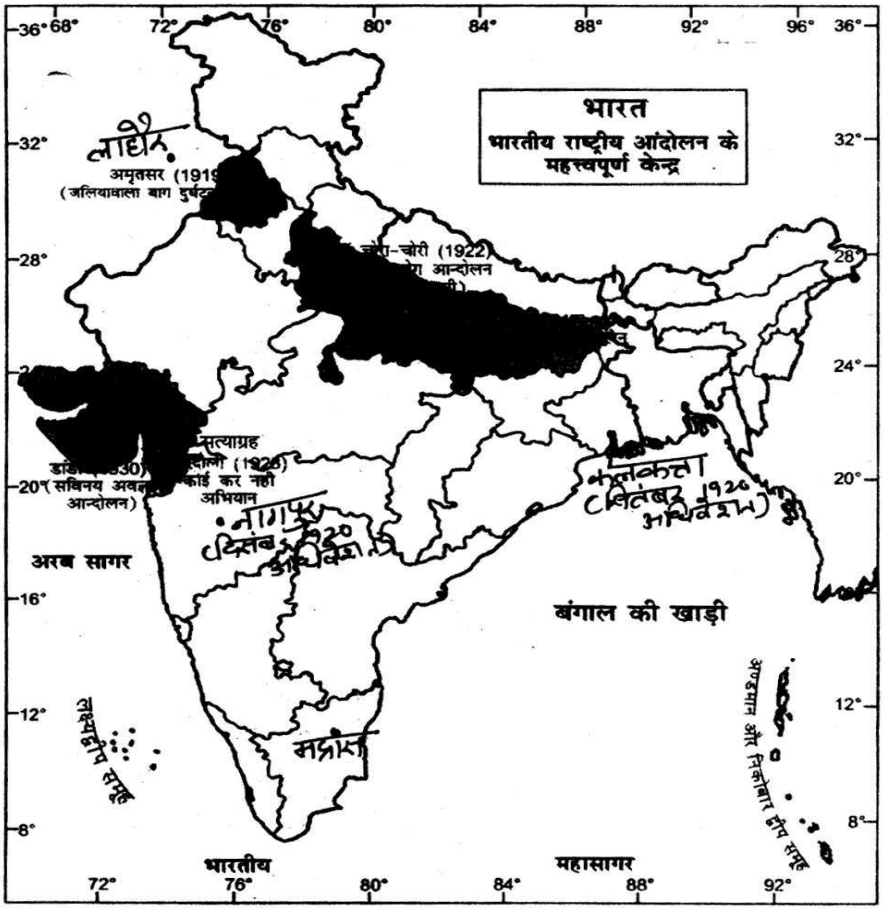
12. 1) इस बार लोगों को न केवल अंग्रेजों का सहयोग न करने के लिए बल्कि औपनिवेशिक कानूनों का उल्लंघन करने के लिए आह्वान किया जाने लगा।
    2) देश के विभिन्न भागों में हजारों लोगों ने नमक कानून तोड़ा तथा सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन किए।
    3) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया जाने लगा।
    4) किसानों ने लगान और चौकीदारों ने कर चुकाने से इन्कार कर दिया।
    5) वनों में रहने वाले लोगों ने वन कानूनों का उल्लंघन करना आरंभ कर दिया।

13. 1) कांग्रेस के नरम दल और गरम दल का एक मंच पर आना।
    2) कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच समझौता।
    3) दोनों का संयुक्त होकर अंग्रेजों से अपनी मांगों को लेकर सामना करना।
    4) बाल गंगाधर तिलक का इसमें बड़ा योगदान था।

14. 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर।
2) प्रतिशोध या बदले की भावना के बिना संघर्ष करना।
3) अहिंसा के बल पर संघर्ष करना।
4) उत्पीड़क शत्रु को नहीं बल्कि सभी लोगों को हिंसा की अपेक्षा सत्य को स्वीकार करने पर विवश करना।

15. अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों के आदिवासी किसानों का नेतृत्व किया।
1) वह एक रोचक व्यक्ति थे। इन्हें खगोलीय ज्ञान प्राप्त था।
2) लोगों का मानना था कि उनके पास विशेष शक्तियाँ हैं जिससे वह लोगों को स्वस्थ कर सकते हैं।
3) वह गाँधी जी के प्रशंसक थे।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रमुख केन्द्र



(असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आन्दोलन)

असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन :-

1. चम्पारन (बिहार) नील उत्पादक किसानों का आन्दोलन - 1917
2. अमृतसर (पंजाब) जलियाँवाला बाग हत्याकांड - 1919
3. चौरी-चौरा (उ.प्र0) असहयोग आन्दोलन की वापसी - 1922
4. बारदौली (गुजरात) कर न चुकाने का अभियान - 1928
5. डांडी (गुजरात) सविनय अवज्ञा आन्दोलन - 1930
6. नागपुर - दिसंबर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन।
7. कलकत्ता (1920 में असहयोग आंदोलन प्रस्ताव पारित)
8. लाहौर (1929 का कांग्रेस अधिवेशन)
9. बम्बई - कांग्रेस का 1940 में अधिवेशन (भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव)
10. मद्रास - 1927 का कांग्रेस अधिवेशन